संसदीय क्षेत्र कोटा में स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की यूथ विंग द्वारा आयोजित B-EXPO में माननीय अध्यक्ष का संबोधन

मेरे युवा साथियो, मैं आपको शुभकामनाएं और बधाई देता हूं कि आपने आज बी-एक्सपो का आयोजन किया है। हमारे जो नौजवान हैं, उन्होंने हमारे देश में बौद्धिक क्षमता के कारण, नए इनोवेशन के कारण, नई रिसर्च के कारण, नई सोच के कारण, नए विचार के कारण आज दुनिया में भारत का गौरव और सम्मान बढ़ाया है। भारत के प्रधानमंत्री जी का मानना है कि अगर देश में आर्थिक परिवर्तन करना है और हमें दुनिया के अंदर भारत को आर्थिक इन्वेस्टमेंट करने वाला देश बनाना है तो हमें नौजवानों की ऊर्जा, शक्ति तथा सामर्थ्य का उपयोग करना पड़ेगा। उनमें नई सोच, नई तकनीक, नए रिसर्च, नए शोध के साथ कुछ नए करने का विश्वास और भरोसा है। सरकार भी उनका सहयोग करे, समाज भी सहयोग करे तो हम हर क्षेत्र को एक नया मार्केट दे सकते हैं और नए सॉल्यूशन दे सकते हैं।

अभी प्रतिस्पर्धा का समय है। प्रतिस्पर्धा होने के कारण जो हमारी सोच है, हमारे विचार हैं, उस सोच-विचार में कहीं न कहीं हमें देश की सारी प्रतिस्पर्धाओं को ध्यान में रखते हुए, उसमें चाहे हमारा इंडस्ट्री सेक्टर हो, सर्विस सेक्टर हो, ट्रेडिंग का सेक्टर हो, हर सेक्टर के अंदर बदलती दुनिया के अंदर भारत किस तरीके से सबसे तेजी से अपने नए इनोवेशन के साथ आगे बढ़ सकता है, यह हमारी ताकत है और हमारी शक्ति है।

जब मुझे दिल्ली में नौजवान मिले थे तो मैंने कहा था कि आने वाले समय के अंदर हम देश में जितने भी अच्छे स्टार्टअप्स हैं, उन पर काम कर सकते हैं। एक समय था, जब लोग लोग स्टार्टअप के बारे में नहीं समझते थे कि स्टार्टअप पूरी दुनिया के अंदर बदलाव ला सकता है। आज भारत के नौजवानों ने स्टार्टअप के माध्यम से दुनिया और देश की सबसे बड़ी चुनौतियों का समाधान और उनको सरल करने का काम किया है।

मैं अभी कुछ दिन पहले एग्रीकल्चर स्टार्टअप के मेले में गया था। मैंने उस स्टार्टअप मेले में देखा कि किस तरीके से उन नौजवानों ने एग्रीकल्चर सेक्टर के अंदर नए परिवर्तन के लिए लोगों को साधन दिए हैं और साधन के साथ-साथ समस्या का सॉल्यूशन दिया है। उन्होंने कम जमीन में ज्यादा उत्पादन, उत्पादन के बाद उसको प्रोसेस करना, प्रोसेस के बाद उसकी मार्केटिंग करना और वैल्यू एडिशन करना बताया है। हमारा इलाका एग्रीकल्चर बेस्ड इलाका है, इसलिए अभी भी हमारे यहां एग्रीकल्चर बेस्ड इंडस्ट्रीज फूड प्रोसेसिंग के अंदर कोई बड़ा काम नहीं हुआ है, लेकिन आप जैसे नौजवानों से अपेक्षा और आशा है। हम जनवरी में स्टार्टअप का एक बड़ा मेला लगाएंगे, जिसमें जो टॉप स्टार्टअप्स हैं, वे यहां पर आएंगे। आपको उनके साथ चर्चा करनी है, संवाद करना है। उनके साथ तकनीक और नए इनोवेशन को साझा करना है। उन्होंने जो शोध किए हैं, उनको साझा करना है। अपनी भौगोलिक स्थिति, अपनी व्यापारिक स्थिति, यहां का व्यापार, इंडस्ट्रीज, यहां की कनेक्टिविटी को देखते हुए, उसको डेवलप करने की

योजना बनानी है। हमें हमेशा सीखते रहना चाहिए। सीखने के साथ-साथ नई चीजों की रिसर्च करना और उनको किस तरीके से हम यहां पर कर सकते हैं, यह भी देखना चाहिए। अभी यहां पर मार्केट डेवलप होने की संभावना है। इंडस्ट्री सेक्टर के अंदर उसकी बहुत संभावना है। इंडस्ट्रीज के हिसाब से सबसे ज्यादा पानी की आवश्यकता होती है और यहां पर पानी की कोई कमी नहीं है। यहां पर बिजली की उपलब्धता भी है।

आने वाले समय में दिल्ली-मुंबई हाईवे बनने के बाद और चंबल एक्सप्रेस हाईवे बनने के बाद देश को जोड़ने वाली हाईवे की आपके पास बेटर कनेक्टिविटी होगी, बेहतरीन रेल कनेक्टिविटी अभी भी है। आने वाले समय में एयर कनेक्टिविटी भी होगी। कनेक्टिविटी के हिसाब से भी बेहतर तरीके और विशेष रूप से हमारे नौजवानों की क्षमता पर काम करने की आवश्यकता है।

अभी हमारे यहां ट्रेंड पुराना पत्थर काटना, कोटा कचौड़ी, कोटा साड़ी तक सीमित है। हमें इंडस्ट्री सेक्टर के नए सॉल्यूशन को निकालना है। जब पिछले दिनों यहां पर डिफेंस एक्सपो लगा था तो हमने उस समय भी देखा था कि किस तरीके से आप जैसे नौजवानों ने डिफेंस के अंदर नए सॉल्यूशन देने का काम किया। भारत में आज डिफेंस इंडस्ट्री डेवलप हो रही है। हम कई देशों में एक्सपोर्ट करते हैं। आने वाले समय में भारत डिफेंस का एक्सपोर्ट हब होगा। इसलिए हर सेक्टर के अंदर हमारी जो अपॉर्च्युनिटी है, अभी वर्तमान परिप्रेक्ष्य के अंदर भारत के प्रति जो आकर्षण है, उसमें दुनिया की बड़ी

इंडस्ट्रीज भारत की ओर उत्पादन करने के लिए आ रही हैं। हम उसमें बेटर तरीके से उसके सब-पार्ट के लिए काम करने लग जाएं, क्योंकि सबसे ज्यादा हमारे देश में लघु-मध्यम इंडस्ट्रीज को पनपाना है और लघु-मध्यम इंडस्ट्रीज ही बेहतर सॉल्यूशन दे रही हैं।

मुझे दिल्ली में कई नौजवान स्टार्टअप्स वाले मिलते हैं। आने वाले समय में वे यूनिकॉर्न की तरफ बढ़ रहे हैं। सबसे बड़ी बात है कि मैंने नया परिवर्तन देखा है कि आज बड़े-बड़े जितने भी फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस है, अब वहां फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस का एक बड़ा हब बन गया है, जो ऐसे स्टार्टअप्स को फाइनेंस करना चाहता है। नए फाइनेंसर, जो इन्वेस्ट करने वाले हैं, वे भी नौजवान हैं। उन्होंने भी एक बड़ा मार्केट बनाया है कि वे नई-नई कंपनियां पकड़ते हैं, नए-नए स्टार्टअप्स पकड़ते हैं तथा उनको फाइनेंस करते हैं। कई कंपनियों को उन्होंने फाइनेंस करके बड़े स्टार्टअप यूनिकॉर्न बनाने में उनका सहयोग किया है। उसका भी एक बड़ा कंट्रीब्यूशन है कि वे जो फाइनेंस करने वाली कंपनियां या उनके फाइनेंस करने वाले जो स्टार्टअप्स हैं, वे भी बेसिकली स्टार्टअप्स हैं। उन्होंने अपने घर से अलग काम करके स्टार्टअप्स को फाइनेंस करने के लिए ही पूरी इंडस्ट्रीज डेवलप कर ली।

मुझे इतने लोग मिलते हैं और वे सब लोग एक ही बात कहते हैं कि हम आजकल स्टार्टअप कंपनियों को फाइनेंस कर रहे हैं। फाइनेंस की जो समस्या होती थी, उसका भी रास्ता निकल गया। अब आपको विचार करना

है। मैं आपके साथ हमेशा हूं। जो भी चीजें हों और नए इनोवेशन, नई रिसर्च में आपको लगता है कि हमें इस दिशा की ओर काम करना है तो आप काम कीजिए। आपके पिताजी और आप लोगों ने परंपरागत काम किया है। आपसे बहुत बड़ी अपेक्षाएं हैं, आशा है और लोगों का विश्वास है कि आप उस इंडस्ट्रीज के सेक्टर में एक नया परिवर्तन करके, कोटा को एक नया इंडस्ट्री हब बनाएंगे।

बहुत सारे ट्रेड होने चाहिए। अगर किसी एक ट्रेड पर संकट आ जाए तो आदमी फिर आर्थिक रूप से नहीं उभरता है। अगर बहुत सारे ट्रेड पर काम चलता रहता है तो वह शहर, वह इलाका और व्यक्ति भी वेरियस काम करने के कारण कभी भी फाइनेंशियली परेशानियों में नहीं आता है। इसलिए आप वेरियस काम करने का विचार बनाओ। आप घरवालों से कहो कि हमें नया काम करना है। हॉस्टल बन रहे हैं, उनको तो कोई भी नया या पुराना व्यक्ति बना लेगा, लेकिन हमें तो दुनिया को नए सॉल्यूशन देने हैं। हमें वह काम करना है, जो कहीं नहीं हो रहा हो। मैं आपके साथ खड़ा हूं। आप दिल्ली आएं और कभी भी मिले। आप अपने प्रोजेक्ट को लाएं, प्रोजेक्ट के बाद किस-किस प्रोजेक्ट के किन-किन लोगों के साथ बैठना है, एक कंक्रीट प्लान बना कर लाएं, ताकि मैं उन लोगों से आपकी चर्चा कराऊं और एक बेहतर परिणाम इंडस्ट्री सेक्टर में आ सके।

आप लोगों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं और बहुत-बहुत धन्यवाद।